



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 7 नवम्बर, 1981/16 कार्तिक, 1903

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 19 अक्तूबर, 1981

संख्या पी० सी० एच०-एच० ए (4)-16/76-5.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के अधीन जो उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 (वर्ष 1970 का 19वां अधिनियम) की धारा 4(1) तथा 5(1) के अन्तर्गत प्राप्त हैं, जिना कांगड़ा के विकास खण्ड नूरपुर की ग्राम सभा "धाड़-देहरी" का नाम बदल कर पलानय रखने का सहर्ष आदेश देते हैं।

आदेश मे,
हस्ताक्षरित/-
सचिव ।

विधि विभाग

शुद्धि पत्र

शिमला-2, 24 अक्तूबर, 1981

संख्या-गन0एल0आर0(डी) (6)-28/81.—राजपत्र, हिमाचल प्रदेश के असाधारण अंक दिनांक 3-10-81 में इस सरकार की अधिसूचना संख्यांकएल0एल0आर0(डी) (6)-28/81, दिनांक 1-10-81 द्वारा प्रकाशित हिमाचल प्रदेश वन उपज (व्यापार विनियमन) अध्यादेश, 1981 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जायें:—

पृष्ठ 901—धारा 2 की उप-धारा (1) में “अन्यथा अपेक्षित न हो” शब्दों के पश्चात् आए हुए पूर्ण विराम “।” चिह्न के स्थान पर “,—” चिह्न पढ़िए।

पृष्ठ 901—धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) में “अभिकर्ता” तथा “अभिप्रेत” के मध्य चिह्न “,” अन्तःस्थापित कीजिए।

पृष्ठ 901—धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) में आरम्भ में आये हुए शब्द “वन” के स्थान पर शब्द “वन-उपज” पढ़िए।

पृष्ठ 901—धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (ङ) में,—

- (क) शब्द “अधिनियम” तथा संख्या “1954” के मध्य चिह्न “,” अन्तःस्थापित कीजिए,
- (ख) शब्द “स्वामित्व अथवा कब्जा” के स्थान पर शब्द “स्वामित्व अथवा कब्जा” पढ़िए; तथा
- (ग) उपांत में संख्या तथा शब्द “1954 का 6” जोड़िये।

पृष्ठ 902—धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (च) में,—

- (क) “व्याकरणिता” के स्थान पर “व्याकरणिक” पढ़िए,
- (ख) “अभिप्रेत है” के पश्चात् आए हुए चिह्न “;” के स्थान पर चिह्न “।” पढ़िए, तथा
- (ग) स्पष्टीकरण के अन्त में आए हुए पूर्ण विराम “।” के स्थान पर चिह्न “;” लगाया जाए।

पृष्ठ 902—धारा 2 की उप-धारा (2) में शब्द “प्रभावित नहीं है” के पश्चात् चिह्न “,” अन्तःस्थापित किया जाए।

पृष्ठ 902—धारा 3 में “हेतु” शब्द के स्थान पर शब्द “हेतु” पढ़िए।

पृष्ठ 902—धारा 4 में,—

- (क) शीर्ष में शब्द “विक्रय” तथा “क्रय” के मध्य चिह्न “,” लगाया जाए,
- (ख) शब्द “प्रारम्भ होने पर” के पश्चात् आए हुए पूर्ण विराम के स्थान पर चिह्न “,—” लगाया जाए।

पृष्ठ 902—धारा 5 के शीर्ष में शब्द “सर” तथा “कार” के मध्य चिह्न “-” लगाया जाए तथा शब्द “समस्त” को “समस्त” पढ़िए।

पृष्ठ 903—धारा 6 की उप-धारा (2) “वन उपज” तथा “राज्य सरकार” के मध्य शब्द “का” जोड़ा जाए।

पृष्ठ 903—धारा 7 में “परिवर्तित नहीं की जायेगी” के स्थान पर “परिवर्तित नहीं की जायेगी” पढ़िये।

पृष्ठ 903—धारा 8 के शीर्ष में “कार्यक्रमानुसार क्रम” के स्थान “कार्यक्रमानुसार क्रय” पढ़िये।

पृष्ठ 904—धारा 9 में “राज्य सरकार द्वारा क्रय की गई वन उपज अपने प्राधिकृत अधिकारी या अभिकर्ता के माध्यम से वन “उपज” के स्थान पर “राज्य सरकार द्वारा अपने प्राधिकृत अधिकारी या अभिकर्ता के माध्यम से क्रय की गई वन उपज” पढ़िये।

पृष्ठ 904—धारा 10 में,—

- (क) "विशेष अथवा सामान्य नियम आदेश" के स्थान पर "विशेष सामान्य आदेश" पढ़ा जाए;
- (ख) "धारा 17 के अधीन नियम बनाने की शक्ति के सिवाय" के पूर्व तथा पश्चात् चिह्न "," जोड़ा जाए, तथा
- (ग) "अध्याधीन रहते हुए" शब्दों के पश्चात् चिह्न "," लगाया जाए।

पृष्ठ 904—धारा 11 में,—

- (क) उप-धारा (1) में शब्द "कि" के पश्चात् चिह्न "," का लोप किया जाए तथा शब्द "नियमों को" के स्थान पर "नियमों के" पढ़ा जाए;
- (ख) उप-धारा (1) में शब्द "पशु" तथा "वाहन" के मध्य चिह्न "," लगाया जाए; तथा
- (ग) उप-धारा (2) में शब्द "उपबन्ध" तथा "जहां तक" के मध्य चिह्न "," लगाया जाए।

पृष्ठ 905—धारा 15 में—

- (क) संख्या "15." के अगे "(1)" जोड़ा जाए;
- (ख) खण्ड (क) में शब्द "प्रति कर" के स्थान पर "प्रतिकर" पढ़ा जाए;
- (ग) खण्ड (ख) में शब्द "नियुक्त" के स्थान पर "निर्मुक्त" पढ़ा जाए; तथा
- (घ) उप-धारा (2) में "के निर्युक्त" के स्थान पर "निर्मुक्त" पढ़ा जाए।

पृष्ठ 905—धारा 16 तथा धारा 17 के मध्य आए हुए "राज्य सरकार" शब्दों का लोप किया जाए; तथा शब्द "राज्य सरकार" धारा 17 की उप-धारा (1) में "पूर्व प्रकाशन" शब्दों से पहले जोड़े जायें।

पृष्ठ 906—धारा 17 की उप-धारा (2) में,—

- (क) "सकेंगे" तथा "अर्थात्" के मध्य चिह्न "," लगाया जाए;
- (ख) खण्ड (ड) में "धारा 9" के पश्चात् शब्द "में वन उपज" जोड़े जाएं;
- (ग) खण्ड (च) में शब्द तथा चिह्न "प्रदत्त किया जाएगा," का लोप किया जाए।

पृष्ठ 906—धारा 17 की उप-धारा (3) में शब्द "जाएगा" के पश्चात् आए हुए पूर्ण विराम चिह्न का लोप करके शब्द "तो" के पश्चात् चिह्न "," जोड़ा जाये।

पृष्ठ 908—अनुसूची की मद "1" में आया हुआ शब्द "परन्तु", "परन्तु" पढ़ा जाए।

पृष्ठ 910—धारा 2 की उप-धारा (2) में शब्द "Ordinance" के पश्चात् चिह्न "," जोड़ा जाए।

पृष्ठ 911—धारा 4 के आरम्भ में शब्द "Ordinance" के पश्चात् चिह्न ",—" के स्थान पर चिह्न ",—" पढ़ा जाए।

वेद प्रकाश भट्टनागर,
सचिव।

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 21 अक्तूबर, 1981

संख्या लो0नि0(ख) 25-27/81.—वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14वां अधिनियम) (The Air Prevention and Control of Pollution Act, 1981) की धारा 19 की

उप-धारा (1) के अन्तर्गत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, राज्य बोर्ड के परामर्श सहित, उक्त अधिनियम को, किन्नौर तथा लाहौल-स्पीति जिलों और चम्बा जिले के पांगी और भरमौर ब्लाकों के अतिरिक्त सारे हिमाचल प्रदेश के क्षेत्र में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत वायु प्रदूषण नियन्त्रण क्षेत्र घोषित करने का सर्व आदेश देते हैं।

आदेशानुसार,
एच 0 सी 0 मल्होत्रा,
सचिव।

गृह विभाग

अधिसूचना

शिमला, 22 अक्तूबर, 1981

न० गृह (ए)-7 (जी)-19/75.—हिमाचल प्रदेश सरकार की सप्त संख्या अधिसूचना, दिनांक 7 अगस्त, 1981 जो कि राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) के दिनांक 29 अगस्त, 1981 के अंक में प्रकाशित हुई थी, के संदर्भ में तथा मैनोवर फील्ड फायरिंग एवं आर्टिलरी प्रैक्टिस अधिनियम, 1938 (1938 का पांचवां अधिनियम) की धारा 9 की उप-धारा (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, जिला सिरमौर में हिमाचल प्रदेश सरकार की अधिसूचना संख्या गृह (ए)-7 (जी)-19/75, दिनांक 25 फरवरी, 1977 तथा अधिसूचना संख्या गृह (ए)-7 (जी)-19/75, दिनांक 7 अगस्त, 1981 जो कि राजपत्र, हिमाचल प्रदेश दिनांक 1 मार्च, 1977 तथा राजपत्र (असाधारण) दिनांक 29 अगस्त, 1981 के अंकों में क्रमशः प्रकाशित हुई थी द्वारा पूर्व परिभाषित क्षेत्र में फील्ड फायरिंग तथा आर्टिलरी अभ्यास को निम्नलिखित समय के लिए महर्ष प्राधिकृत करने हैं:—

अगस्त, 1981

18 से 19
21 से 22
24 से 25
27 से 29

दिसम्बर, 1981

01 से 02
04 से 05
07 से 09
11 से 12
14 से 15
17 से 19
21 से 24
26
28
29 से 30

सितम्बर, 1981

01 से 02
04 से 05
08 से 09
11 से 12
14 से 15
17 से 19
21 से 23
25 से 26

जनवरी, 1982

02 से 04 से 06
08 से 9
11 से 12
14 से 15
18 से 20
22 से 23
25
27 से 30

फरवरी, 1982

01 से 02
04 से 06
08 से 10
12 से 13
15 से 17
19 से 20
22 से 24
26 से 27

जून, 1982

01 से 02
04 से 05
07 से 09
11 से 12
14 से 16
18 से 19
21 से 22
24 से 26
28 से 30

मार्च, 1982

01 से 03
05 से 06
08 से 10
12 से 13
15 से 17
19 से 20
22 से 23
25 से 27
30 से 31

के० सी० पाण्डेय,
मुख्य सचिव।

